माथा पच्ची

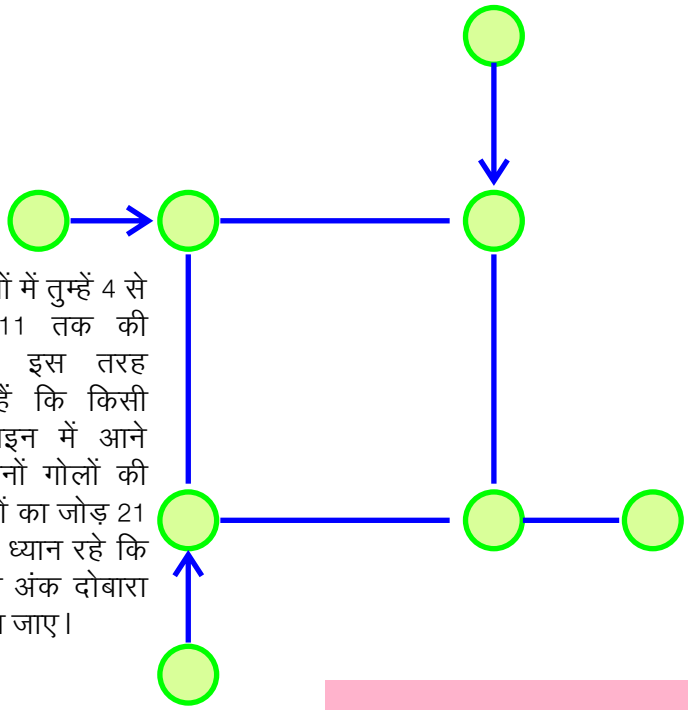

1 इन गोलों में तुम्हें 4 से लेकर 11 तक की संख्याएँ इस तरह भरनी हैं कि किसी एक लाइन में आने वाले तीनों गोलों की संख्याओं का जोड़ 21 हो। हाँ, ध्यान रहे कि कोई भी अंक दोबारा नहीं भरा जाए।

2 एक लड़का अण्डे लेकर जा रहा था। रास्ते में वो ऐसे गिरा कि सारे अण्डे चूर-चूर हो गए। वो बिना अण्डे लिए घर पहुँचा तो उसकी माँ ने पूछा, “कितने अण्डे थे?” उसे ठीक से याद नहीं आ रहा था। लेकिन उसे इतना याद था कि जब उसने दो-दो करके अण्डों को गिना तो एक अण्डा बचा रहा। जब तीन-तीन करके गिना तो फिर एक अण्डा रह गया और चार-चार करके गिनने पर भी एक अण्डा बच गया। लेकिन जब पाँच-पाँच करके गिना तो कोई अण्डा बाकी नहीं रहा। क्या तुम बता सकते हो कि कुल कितने अण्डे थे?

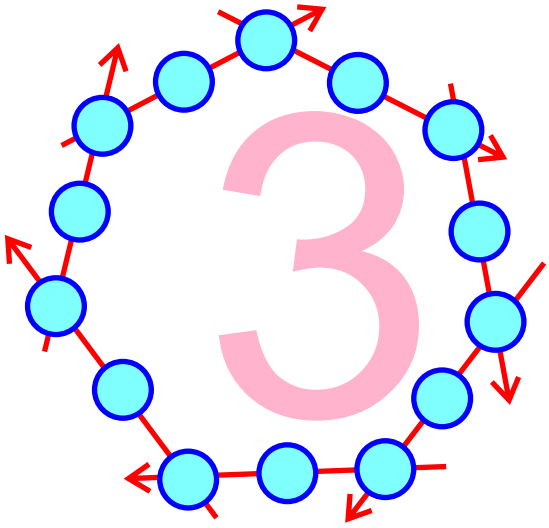

3 इस चित्र में तीर के सात निशान हैं। हर तीर पर 3 गोले हैं। तुम्हें इन गोलों में 6, 8, 10, 12, 14, 16, 18, 20, 22, 24, 26, 28, 30 व 32 अंकों को इस तरह भरना है कि हर तीर के तीनों गोलों का जोड़ 50 हो और कोई भी अंक दुबारा ना भरा जाए।

4 नवल ने कुल 8 केंकड़े और भौंरे इकट्ठे किए। जब उसने उनके पैरों को गिना तो वो 54 थे। तुम्हें बताना है कि उसने कितने केंकड़े व कितने भौंरे इकट्ठे किए थे?

रैक्स डी रोज़ारियो

अजब-गजब

यह कोई भूत-वूत नहीं है। यह तो है शौकीन मिजाज़ – कान ईलेन डेविडसन। इन्हें बालियाँ पहनने का बेहद शौक है। अब बाली पहनने के लिए सुई से छेद तो करने ही पड़ेंगे ना। तो स्कॉटलैंड के एडिनबरो शहर की डेविडसन ने अपने शरीर में इतने छेद बना लिए कि अब तो गिनती ही छूट गई है। मई 2000 में *गिनिज़ बुक ऑफ रिकॉर्ड्स* में दर्ज ब्यौरे के अनुसार ब्राज़ील में जन्मी डेविडसन के शरीर में तब तक 462 छेद बन चुके थे। इनमें से 192 तो केवल चेहरे पर थे। मई 2008 तक पहुँचते-पहुँचते इन छेदों की संख्या 5,955 तक पहुँच गई थी। और जानते हो इनमें लटके ज़ेवरों का वज़न कितना है? वज़न है लगभग तीन किलो।

चुम्बकीय मानव – हाँ, उसे इसी नाम से तो पुकारा जाता है। मलेशिया के लीयू थौ लिन के शरीर पर लोहे की चीज़ें वैसे ही चिपकती हैं जैसे, चुम्बक से लोहा। लिन का शरीर दो किलो तक के वज़न को आकर्षित कर सकता है। इस तरह वो एक बार में कुल 36 किलो वज़न की वस्तुएँ ढो सकता है। पर लिन के शरीर में कोई चुम्बकीय बल नहीं है। वैज्ञानिकों का कहना है कि उसकी चमड़ी इतनी खुरदरी है कि घर्षण की वजह से एक प्रकार का चूषण पैदा होता है जो वस्तुओं को टिकाए रखता है। उन्हें घड़ी बाँधने की ज़रूरत नहीं पड़ती होगी। पर क्या उनको घड़ी सही समय बताती होगी?